Hindi Murli Quiz 11-01-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **चाहे देश के हो चाहे विदेश के हो, माला तो एक ही है । जो सदा सुहाग और भाग्य के -------------हैं वही विजय माला के भी -----------------हैं ।**
[मुरली के अनुसार एक ही सही उत्तर का चयन करें]

A. अधिकारी
B. विधाता
C. निर्माता
D. अधीन

Q.2) **बहुकाल से अलग हो गये तो अपने अविनाशी साथी को भी भूल गये । सुहाग खोया, तिलक को भी मिटा दिया, श्रृंगार को भी गवां दिया, खजानों से भी वंचित हो गये । सदा सुहागिन से भिखारी और वियोगी बन गये । फिर भी अमरनाथ ने आकर बहुकाल से बिछुड़ी हुई पार्वतियो को अपना स्मृति का तिलक दे सुहागिन बना दिया ।**

A. False
B. True

Q.3) **विश्व में जीवन की श्रेष्ठता दो बातों की होती है एक सुहाग दूसरा भाग्य । आज की मुरली में बापदादा ने संसार में हद के सुहाग की कुछ विशेषताएं वर्णन की हैं, उनका चयन करें –**

A. सुहागवती सदा साथ के कारण स्वयं को सन्तुष्ट समझती है ।
B. सुहाग की निशानी तिलक और कंगन होती है ।
C. सुहागिन सदा श्रंगार की अधिकारी होती है ।
D. सुहागिन सदा सुहाग के कारण अपने को सम्पन्न समझती है ।
E. आजकल की दुनिया में श्रेष्ठ कार्य के निमित्त सुहागिन को ही रखते है ।
F. सुहागवती स्वयं को सदा दुनिया में श्रेष्ठ समझती है ।

Q.4) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ----**

	Choice		Match
A	संगमयुगी ब्राह्मण का झूला -	1	आदि से अन्त तक सर्व प्रति परोपकारी और बाल ब्रह्मचारी रहना ।
B	कभी भी देह- अभिमान में आना अर्थात्-	2	सदा याद और सेवा मे तत्पर रहो ।
C	बाप के समान व समीप आत्मा बनने के लिए -	3	झूले से निकल धरनी पर पांव रखना और मैले हो जाना।
D	ब्रह्मा बाप ने याद और सेवा के द्वारा नम्बरवन पद प्राप्त किया-	4	अतीन्द्रिय सुख का झूला है ।
E	सारे कल्प की श्रेष्ठ प्रालब्ध बनाने का आधार -	5	वैसे आप भी फालो कर फर्स्ट डिवीजन मे आयेगे अर्थात् राजधानी मे साथ-साथ होगे ।

Q.5) **लौकिक रीति से भाग्य का आधार - तन की तन्दरूस्ती, मन की खुशी, धन की समृद्धि, सम्बन्ध की सदा सन्तुष्टी और सम्पर्क में सदा सफल मूर्त होता है । तो अब संगमयुग पर श्रेष्ठ भाग्य का आधार निम्नलिखित मैचिंग एक्सरसाइज से स्पष्ट किया गया है । वाक्यों को बहुत ध्यान से अर्थ अनुसार मिलाएं और आनन्द प्राप्त करें ---**

	Choice		Match
A	सदा स्वस्थ अर्थात् सदा स्व मे स्थित रहने से,	1	जब चाहो, जैसा चाहो वैसा ही सम्बन्ध का रस अनुभव कर सकते हो ।
B	कर्मभोग को भी ड्रामा के अन्दर खेल समझते,	2	ऐसे समझने से सदा स्वस्थ समझते हो ।
C	बीमारी को समझते जैसे अनेक जन्मों का बोझ हल्का हो रहा है,	3	तन का कर्मभोग भी सूली से काँटा हो जाता है
D	मनमनाभव होना अर्थात्	4	तो धन का भाग्य भी सदा प्राप्त है ।
E	जहाँ ज्ञान धन है वहाँ स्थूल धन की कोई कमी नही,	5	तो तन का रोग योग में परिवर्तन हो गया, इसलिए सदा स्वस्थ हो ।
F	सर्व सम्बन्ध निभाने वाले परम आत्मा को अपना बना लिया,	6	मन में खुशियों के खजाने से सम्पन्न होना ।
G	संगमयुगी जीवन मे सम्पर्क भी सदा होली हंसो से है ।	7	सदा भाई- भाई की दृष्टि, रहम की वृत्ति रहती है तो सम्पर्क भी श्रेष्ठ है ।

Q.6) **दादियों से मुलाकात के समय बापदादा बोले- पटरानियाँ तो सब बनती है लेकिन उनमें भी नम्बर है। प्राप्ति मे भी अन्तर है और पूजन में भी अन्तर है। राधे और गोपियों मे भी अन्तर है। राधे की प्राप्ति अपनी, गोपियों की अपनी। कोई विशेषता राधे के पार्ट में है और कोई विशेषता पटरानियो वा गोपियों के पार्ट मे है। इसका भी गुह्य रहस्य है।**

A. True

B. False

Q.7) **बापदादा बोले कि मेरा हरेक बच्चा भाग्यशाली और सदा सुहागिन है। आज की मुरली में बापदादा ने सच्ची सुहागिनों [बेहद के सुहाग] को उनकी विशेषतायें बतायी हैं, उनका चयन करें ---**

A. आप सब सच्ची सुहागिन विश्व के अन्दर सर्व श्रेष्ठ आत्माएं गाई और पूजी जाती हो।

B. आप आत्मायें सदा स्मृति के तिलकधारी और मर्यादाओ के कंगनधारी आत्मायें हो।

C. सदा दिव्य गुणों के श्रृंगार से सजी सजाई आत्मायें हो।

D. विश्व के परिवर्तन के श्रेष्ठ कार्य वा शुभ कार्य के निमित्त हो।

E. आप सदा सुहागिन आत्मायें सदा सर्व खजानों से सम्पन्न हो।

F. विश्व आपके जड़ चित्रो को देख खुश होता कि यह पति परमेश्वर की सच्ची पार्वतियाँ हैं।

Q.8) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही जोड़े ----**

	Choice		Match
A	सदा सुहागिन अर्थात्	1	सदा मिलन महफिल मे अपने को अनुभव करेंगे।
B	अकेले समझेंगे तो	2	सदा सम्पन्न, कम्बाइण्ड और सदा हर्षित।
C	कम्बाइण्ड समझेगे तो	3	दूसरे सब खजाने भी व्यर्थ हो जाते हैं।
D	बाबा ने देखा कि सब मर्यादाओं के कंगन से सज रहे हैं,	4	लेकिन मर्यादा पुरूषोत्तम बनने मे कोई हीरे तुल्य,कोई सोने तुल्य और कोई फिर चाँदी तुल्य बने हैं।
E	संकल्प व्यर्थ है तो,	5	वियोगी जीवन अनुभव करेंगे।

Q.9) **संगमयुग पर विशेष यही चेक करना है कि सर्व प्राप्ति की है? सर्व खजाने सामने रखो, सर्व सम्बन्ध सामने रखो, सर्वगुण सामने रखो, कर्तव्य सामने रखो - सर्व बातों मे अनुभवी हुए हैं? अगर कोई भी अनुभव रह गया हो तो अब रहे हुए थोड़े समय मे सर्व बातों में स्वय को सम्पन्न बनाना चाहिए। अगर एक भी सम्बन्ध वा गुण की कमी है तो सम्पूर्ण स्टेज वा सम्पूर्ण मूर्त नहीं कहला सकते। इसलिए सबमे सम्पूर्ण बनना है।**

A. False / ये वाक्य गलत है

B. True / ये वाक्य सही है

Q.10) **अनेक मत वाले सिर्फ एक बात को मान जाएं कि हम सबका बाप एक है और वही अब कार्य कर रहे हैं। चाहे वे धारण करें न करें लेकिन मान लें तो विजय अर्थात प्रत्यक्षता का झण्डा लहरा जायेगा। इसी संकल्प से मुक्तिधाम जायेगे तो जब अपना- अपना पार्ट बजाने आयेंगे तो पहले यही सस्कार होगे कि गाड इज वन।**

A. False

B. True